भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 1006

उत्‍तर देने की तारीख: 09.03.2017

**छात्रों का गुणवत्ता आकलन सर्वेक्षण**

1006. श्री मो॰ नदीमुल हक़ः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि स्कूलों में छात्रों के मूल शिक्षण स्तर की जांच करने के लिए औपचारिक परीक्षाओं के अलावा कोई नियमित सर्वेक्षण नहीं किए जाते हैं;

(ख) क्या सरकार छात्रों की गुणवत्ता के नियमित आकलन सर्वेक्षण कराए जाने के लिए गैर-सरकारी संगठनों तथा अन्य सिविल सोसायटी को शामिल करने की योजना बना रही है; और

(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री उपेन्‍द्र कुशवाहा)**

(क): राष्‍ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) वर्ष 2000 से सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के अंतर्गत कक्षा III, V, और VIII तथा राष्‍ट्रीय माध्‍यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के तहत कक्षा X के विद्यार्थियों के अधिगम स्‍तरों के अध्‍ययन की दृष्टि से समय-समय पर विभिन्‍न श्रेणी में राष्‍ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) आयोजित करता रहा है। राष्‍ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के चार चक्र एसएसए के तहत और एक चक्र आरएमएसए के तहत पहले ही पूरा किया जा चुका है।

(ख) और (ग): चालू वर्ष से, सरकार ने प्रारंभिक स्‍तर पर सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्‍त स्‍कूलों में अधिगम परिणामों के वार्षिक सर्वेक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया है। विद्यार्थियों के अधिगम का मूल्‍यांकन एनसीईआरटी द्वारा विकसित अधिगम परिणामों के अनुसार होगा। गैर-सरकारी संगठन और अन्‍य सिविल सोसाइटी को सर्वेंक्षण करने के लिए शामिल किया जा सकता है।

**\*\*\*\*\***